पीलिया या वायरल हिपेटाइटिस
(JAUNDICE or VIRAL HEPATITIS)

पीलिया की स्थिति में, रक्त नलिकाओं में बाधा उपस्थित हो जाती है इस कारण रक्त में पित्त रस की मात्रा बहुत अधिक बढ़ जाती है जिससे त्वचा तथा श्लैष्मिक झिल्लियों का रंग पीला हो जाता है इस अवस्था को ही "पीलिया" कहते हैं।

पीलिया के प्रकार

- ऑब्सट्रक्टिव पीलिया
- हिमोलाइटिक पीलिया
- हिपेटोसेल्यूलर हिमेटाइटस

पीलिया के लक्षण

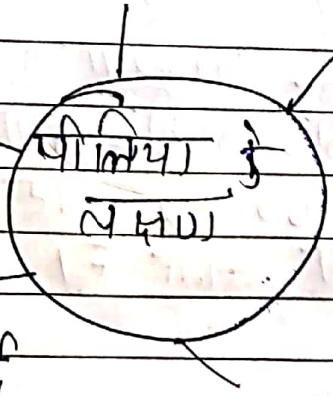

Scanned with CamScanner

Date :
Page No. :

* पीलिया में भोज्य तत्वों की आवश्यकता :-

1) प्रोटीन - यकृत की कोशिकाओं के निर्माण के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है।

2) वसा - प्रोटीन की तरह वसा भी रोग की अवस्था पर निर्भर करता है। रोग की कम तीव्रता की स्थिति में 30 gm तक वसा (FAT) दी जाती है।

3) कैलोरी - पीलिया की स्थिति में कैलोरी मांग कम हो जाती है। यदि रोगी बेहोशी की हालत में है तो 1000 K.cal ऊर्जा ही पर्याप्त होती है।

4) ग्लूकोज - रोग की तीव्रता की स्थिति में ऊर्जा प्राप्ति हेतु फलों का रस, ग्लूकोज पानी देनी चाहिए।

5) विटामिन - पीलिया की स्थिति में विटामिन की काफी कमी हो जाती है। प्रतिदिन 500 mg विटामिन 'C' की आवश्यकता होती है।

Date: / /
Page No.:

पीलिया से ग्रस्त एक वयस्क व्यक्ति का एक दिन का आहार

(बेहोशी की स्थिति में)

कुल ऊर्जा	1200 K.cal. ग्लूकोज से
फलों का रस	1 लीटर
ग्लूकोज	200 ग्राम
जल	1 लीटर
कुल तरल पदार्थ	2 लीटर

* पीलिया का उपचार

i) आहार ii) विश्राम iii) दवाइयाँ

Scanned with CamScanner